

वैतालिक पुं. (तत्.) 1. दे. वैताल 2. वेताल का उपासक, वेताल को सिद्ध करने वाला, भूत-प्रेत वर्ग के।

वैताली पुं. (तत्.) दे. वैतालिक काव्य. एक छंद, वैतालीय।

वैतालीय पुं. (तत्.) काव्य. एक वर्णवृत्त जिसके पहले व तीसरे चरण में 14 तथा दूसरे एवं चौथे चरण में 16 मात्राएँ हों वि. वेताल संबंधी, वेताल का।

वैतृष्ण्य पुं. (तत्.) तृष्णाराहित होने की अवस्था या भाव, वितृष्ण।

वैदग्ध्य पुं. (तत्.) 1. वैदग्ध, विदग्धता 2. पूर्ण पांडित्य चातुरी, निपुणता, पटुता 3. हाथ की सफाई 4. सौंदर्य 5. हाजिरजवाबी, प्रत्युत्पन्न 6. धूर्तता 6. रसिकता।

वैदग्ध्यमंडित विं. (तत्.) 1. हाजिर जवाब 2. रसिक 3. जिस के पास वैदग्ध्य गुण हो दे. वैदग्ध्य।

वैदर्भ पुं. (तत्.) 1. विदर्भ देश का राज या शासक 2. दमयंती के पिता भीमसेन 3. रुक्मिणी के पिता भीष्मक 4. मसूड़े फूलने का दाँत का रोग 5. वाक् चातुर्य वि. विदर्भ देश का।

वैदर्भी स्त्री. (तत्.) काव्य. की वह रीति या शैली जिस में रचना के लिए मधुर वर्णों का प्रयोग होता है 1. दमयंती विदर्भ देश की कन्या स्त्री., लोपामुद्रा 2. रुक्मिणी।

वैदिक पुं. (तत्.) 1. वेदों के अनुसार कृत्य करने वाला/वेदानुसार, वेद विहित 2. वेदों का पंडित वि. वेद संबंधी, वेद का, जो वेदों में कहा गया हो, वेदोक्त।

वैदुष्य पुं. (तत्.) विद्वता, पांडित्य, ज्ञान, बुद्धिमत्ता।

वैदूर्य पुं. (तत्.) एक प्रकार का रत्न जिसे 'लहसुनिया' भी कहते हैं।

वैदेशिक वि. (तत्.) विदेश संबंधी, दूसरे देश का, विदेश का, दूसरे देशों या राष्ट्रों से संबंध रखने वाला।

वैदेह पुं. (तत्.) 1. विदेहराज, विदेहवासी, व्यापारी, वणिक 2. वैश्य-पुत्र जो ब्राह्मणी के गर्भ से उत्पन्न हुआ हो।

वैदेहिक पुं. (तत्.) व्यापार या वाणिज्य से संबंधित, व्यापारी, सौदागर।

वैदेही स्त्री. (तत्.) विदेह (राजा जनक) की कन्या, जानकी, सीता।

वैद्य पुं. (तत्.) 1. आयुर्वेद के अनुसार रोगियों की चिकित्सा करने वाला डाक्टर, चिकित्सक, वैद्य जाति का आदमी।

वैद्यक पुं. (तत्.) चिकि. वह शास्त्र जिसमें रोगों के निदान और चिकित्सा आदि का विवेचन हो, चिकित्सा शास्त्र, आयुर्वेद।

वैद्युत वि. (तत्.) विद्युत संबंधी, बिजली से संबंधित, बिजली से उत्पन्न।

वैध वि. (तत्.) जो विधि के अनुसार हो, कायदे या कानून के मुताबिक, ठीक और सही, जो विधान या संविधान के अनुसार ठीक हो।

वैधर्मिक वि. (तत्.) 1. जिसने स्वधर्म छोड़ दिया हो; नास्तिक, विधर्मियों के सदृश 2. जो धर्म-संगत न हो, धर्म विरुद्ध।

वैधर्म्य वि. (तत्.) 1. विधर्मी होने का भाव 2. नास्तिकता, धर्म विमुखता पुं. धर्म की भिन्नता, गुण या धर्म की भिन्नता, असमानता, अंतर।

वैधव्य पुं. (तत्.) विधवा होने का भाव, विधवापन।

वैधानिक वि. (तत्.) विधान या संघटन के नियमों से संबंध रखने वाला, विधान या नियमों के अनुकूल, विधान संबंधी, विधान का, विधान सम्मत, विधुरपन।

वैधुर्य वि. (तत्.) विधुरता, विधुरपन, वियोग, नैराश्य, कातरता, भ्रम, कंपित होने का भाव।

वैधूर्य वि. (तत्.) विधु होने की अवस्था या भाव, विधुरता, विधुरपन, वियोग 2. नैराश्य, कातरता 3. भ्रम, कंपित होने का भाव।

वैधेय वि. (तत्.) विधि संबंधी, विधि का, कानून का, नियमानुकूल, विहित पुं. 1. मूर्ख, विमूढ़, मूर्ख आदमी 2. याज्ञवल्क्य, ऋषि का एक शिष्य।